**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 1857**
**11 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**वस्त्र उद्योग के लिए नई योजना**

**1857. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे:**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा तैयार की गई नई योजनाओं और नीतियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान (पीएम-मित्र) योजना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके तहत कितने रोजगार सृजित हुए हैं;

(ग) विशेषकर महाराष्ट्र सहित तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार कारीगरों और हथकरघा श्रमिकों के संरक्षण और लाभ के लिए कोई नई योजना लाने पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**
**वस्त्र मंत्री**
**(श्री गिरिराज सिंह)**

**(क):** भारत सरकार पूरे भारत में वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं/पहलें लागू कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना, जिसका उद्देश्य एक आधुनिक, एकीकृत बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय औद्योगिक इको सिस्टम बनाना है, जो निवेश आकर्षित करने और रोजगार को बढ़ावा देने में मदद करेगा; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए मानव निर्मित फाइबर और परिधान, और तकनीकी वस्त्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार और विकास, संवर्धन और बाजार विकास, कौशल और निर्यात संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करने वाला राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग आधारित, रोजगार उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ- योजना; बेंचमार्क वस्त्र मशीनरी में पात्र निवेश के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्नयन और आधुनिकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए एटीयूएफएस; हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों आदि के लिए एंड टू एंड सहायता के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम शामिल है।

**(ख) और (ग)**: भारत सरकार ने देश को वस्त्र विनिर्माण और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए, 2027-28 तक सात वर्षों की अवधि के लिए 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्लग एंड प्ले सुविधा सहित विश्व स्तरीय अवसंरचना के साथ ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइटों में 7 (सात) पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी है। सरकार ने पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए 7 साइटों अर्थात तमिलनाडु (विरुद्धनगर), तेलंगाना (वारंगल), गुजरात (नवसारी), कर्नाटक (कलबुर्गी), मध्य प्रदेश (धार), उत्तर प्रदेश (लखनऊ/हरदोई) और महाराष्ट्र (अमरावती) को अंतिम रूप दिया है। ये पार्क वस्त्र उद्योग को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनने, बड़े निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएंगे।

**(घ) एवं (ङ):** सरकार हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा देश भर में हथकरघा कामगारों के कल्याण एवं लाभ के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना चला रही है। योजनाओं के अंतर्गत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/कामगारों को कच्ची सामग्री, उन्नत करघे एवं सहायक उपकरण की खरीद, सोलर लाइट यूनिट, वर्कशेड निर्माण, उत्पाद विविधीकरण एवं डिजाइन नवाचार, तकनीकी एवं साझा अवसंरचना, घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों के विपणन, बुनकरों की मुद्रा योजना के अंतर्गत रियायती ऋण और सामाजिक सुरक्षा आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

इसके अलावा, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का कार्यालय देश भर में हस्तशिल्प क्षेत्र के समग्र विकास एवं संवर्धन के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) नामक दो योजनाओं को क्रियान्वित करता है। इन योजनाओं के अंतर्गत आवश्यकता आधारित सहायता विपणन कार्यक्रमों, कौशल विकास, क्लस्टर विकास, उत्पादक कंपनियों के गठन, कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता, अनुसंधान और विकास सहायता आदि के माध्यम से कारीगरों के लिए एंड टू एंड सहायता प्रदान की जाती है, जिनसे पूरे देश में कारीगरों को लाभ मिल रहा है।

***